Chapter- 11

‘र’ का प्रयोग (रेफ़ और पदेन)

STUDY NOTES

- हम ‘र’ के विभिन्न रूपों के बारे में ज्ञान प्राप्त करेगें।
- ‘र’ के रूप
  - ‘र’ का सामान्य रूप (स्वर के साथ)
  - रेफ़ (र्‍) के रूप में (आधा ‘र’)
  - पदेन (्र , ॣ) रूप में (स्वर के बिना)
- ‘र’ का प्रयोग सामान्य रूप में - ‘र’ सामान्य रूप में ‘र’ का प्रयोग शब्द के शुरूआत, मध्य या अंत कहीं भी किया जा सकता है। यह स्वर के साथ होता है। (र् + अ = र)

  जैसे – रमन, रहिम
- ‘र’ का प्रयोग (रेफ़ र्‍) के रूप में – स्वर रहित ‘र’ को व्याकरण की भाषा में रेफ़ कहते हैं। जब वह दो वर्णों के बीच में आता है तो यह अपने आगे वाले वर्ण के ऊपर लग जाता है।

  धर्‌म – धर्म

  कर्‌म – कर्म

  Note- यहाँ ‘र’ आधा है।
- रेफ़ वाले कुछ शब्द

सर्प	खर्च	सूर्य	तर्क	कर्म
धर्म	नर्म	फर्क	आर्य	कार्य
पार्क	मार्ग	पर्व	कर्म	निर्मल

- ‘र’ का प्रयोग पदेन (् , ्) रूप में – जब ‘र’ स्वर सहित (र् + अ = र) के रूप में होता है और ‘र’ के पहले यदि स्वर रहित व्यंजन हो तो यह अपने पहले वाले वर्ण के साथ अर्थात् स्वर रहित व्यंजन के साथ जोड़ा जाता है और उस व्यंजन के पैर में लगने के कारण उसे व्याकरण की भाषा में पदेन कहा जाता है।

  जैसे – क् + र + म = क्रम

  इसका प्रयोग दो प्रकार से किया जाता है -

- पाई वाले स्वर रहित व्यंजनों के साथ इसका प्रयोग एक तिरछी (/) रेखा के रूप में होता है।

  ग् + र = ग्र

  प् + र = प्र

- गोलाकार वर्णो जैसे ट, ड, ठ, द आदी वर्णो के निचे पदेन (्) इसप्रकार से लगाया जाता है।

  ट् + र = ट्र

  ड् + र = ड्र

- पदेन वाले कुछ शब्द –

  ग्राम सम्राट प्रणाम प्राण भ्रम

  ड्रम ट्रक श्रम ड्रामा ट्राली

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

अभ्यास के लिए

१. अक्षर मिलाकर शब्द बनाइए -

स + र् + प = सर्प

प् + र + णा + म = प्रणाम

ड् + र + म = ड्रम

प् + र + थ + म = प्रथम

पा + र् + क = पार्क

स + म् + रा + ट = सम्राट

सू + र् + य = सूर्य

२. दिए गए शब्दों में रेफ़ (ʿ) और (/ , ‸) का सही प्रयोग कीजिए –

क) दपण – दर्पण

ख) डम – ड्रम

ग) आकमण – आक्रमण

घ) टाली – ट्राली

ङ) गाम – ग्राम

च) पकाश – प्रकाश

छ) बतन – बर्तन

ज) मदास – मद्रास

झ) पवत – पर्वत

ञ) डामा – ड्रामा

ट) नम – नम्र / नर्म

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

ठ) कम – कर्म / क्रम

ड) बश – ब्रश

ढ) सप – सर्प

अतिरिक्त प्रश्न

३. समानलय वाले शब्द लिखें -

क) धर्म - कर्म

ख) आर्य - कार्य

ग) तर्क – फर्क

घ) नर्म - कर्म

ङ) चक्र – वक्र

च) श्रम – भ्रम

◆◆◆

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow